मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 5

BHDC–104

बी. ए. (ऑनर्स) हिन्दी

(बी. ए. एच. डी. एच.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

बी.एच.डी.सी.-104 : आधुनिक हिन्दी कविता

(छायावाद)

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **पहला** प्रश्न अनिवार्य है।*

---

1. निम्नलिखित काव्यांशों में से किन्हीं **तीन** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 3×12=36

(क) प्रेम में मीन मेष कछु नाहीं।

अति ही सरल पंथ यह सूधो छल नहिं जाके माही।

हिंसा द्वैष इरखा मत्सर मद स्वारथ की बातै।

कबहूँ याके निकट न आवै छल प्रपंच की घातै।

सहज सुभाविक रहनि प्रेम की प्रीतम सुख सुखकारी।

अपुनो कोटि कोटि सुख पिय के तिनकहि पर बलिहारी।

(ख) किसलय–कर स्वागत–हेतु हिला करते हैं,

मृदु मनोभाव–सम सुमन खिला करते हैं।

डाली में नव फल नित्य मिला करते हैं,

तृण तृण पर मुक्ता–भार झिला करते हैं।

निधि खोले दिखला रही प्रकृति निज माया,

मेरी कुटिया में राज–भवन मन भाया।

(ग) अमर्त्य वीरपुत्र हो, दृढ़–प्रतिज्ञ सोच लो,

प्रशस्त पुण्य पंथ है – बढ़े चलो, बढ़े चलो।

असंख्य कीर्ति–रश्मियाँ, विकीर्ण दिव्य दाह–सी,

सपूत मातृभूमि के रुको न शूर साहसी।

अराति सैन्य सिन्धु में सुबाड़वाग्नि से जलो।

प्रवीर हो जयी बनो – बढ़े चलो, बढ़े चलो॥

(घ) अरे वर्ष के हर्ष !

बरस तू, बरस–बरस रसधार !

पार ले चल तू मुझको,

बहा, दिखा मुझको भी निज

गर्जन–गौरव–संसार !

उथल–पुथल कर हृदय–

मचा हलचल–

चल रे चल–

मेरे पागल बादल !

(ङ) तू न अपनी छाँह को अपने लिए कारा बनाना !

जाग तुझको दूर जाना !

वज्र का उर एक छोटे अश्रु-कण में धो गलाया,

दे किसे जीवन सुधा दो घूँट मदिरा माँग लाया ?

सो गई आँधी मलय की वात का उपधान ले क्या ?

विश्व का अभिशाप क्या चिर नींद बनकर पास आया ?

अमरता-सुत चाहता क्यों मृत्यु को उर में बसाना ?

जाग तुझको दूर जाना !

2. भारतेन्दुयुगीन काव्य की विकास-यात्रा पर प्रकाश डालिए। 16

3. द्विवेदी युग की साहित्यिक प्रवृत्तियों को रेखांकित कीजिए। 16

4. रामनरेश त्रिपाठी के काव्य-सौन्दर्य का विवेचन कीजिए। 16

5. ऐतिहासिक दृष्टि से छायावाद के महत्व को उद्‌घाटित कीजिए। 16

6. जयशंकर प्रसाद के युग परिवेश की चर्चा कीजिए। 16

7. निराला के रचना-विधान की विशेषताओं को रेखांकित कीजिए। 16

8. महादेवी वर्मा के काव्य के प्रमुख पक्षों पर प्रकाश डालिए। 16

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 2×8=16

(क) राधाकृष्ण दास

(ख) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

(ग) भारतेन्दु की काव्य-भाषा

(घ) पंत का महत्व

× × × × ×